स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

¯ÖÛ<“Ö.>ÛÎ.ØÆ¤ÛÎ ^¯ÖÖ×¬Ö ÆüÖ

शोध प्रबंध की संक्षिप्त रुपरेखा

(Synopsis)

¿ÖÖ¬Ö ×¾ÖÂÖµÖ

“प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन (पाँच उपन्यासों के संदर्भ में)”

:: ¿ÖÖ¬Ö”ÖÎ¡Ö ::

आनंद जळबाजी लोखंडे

एम.ए.बी.एड.नेट

स्नातक स्नातकोत्तर हिंदी विभाग

एवं शोधकेंद्र –ानोपासक महाविद्यालय, परभणी

मो.नं.९७६६४३२७४२

‡-´Öê»Ö anandjl358@gmail.com

:: शोध निर्देशक ::

प्रा.डॉ.दशरथ तुकाराम इबतवार

<´Ö.<., <´Ö.×±ú»Ö., ¯ÖÛ<“Ö.>ÛÎ.

सहयोगी प्राध्यापक

स्नातक - स्नातकोत्तर हिंदी विभाग, एवं शोधकेंद्र

–ानोपासक शिक्षण मंडल संचलित

कला, वाणिज्य एवं वि–ान महाविद्यालय, परभणी जि.परभणी

मो.नं.९५१८७२०८२६

‡-´Öê»Ö : dashrathibatwar@gmail.com

2019

प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन
(पाँच उपन्यासों के संदर्भ में)

हिंदी कथा साहित्य में प्रेमचंद का नाम सुविख्यात है। मराठी कथा साहित्य में अण्णाभाऊ साठे का नाम सर्वपरिचित है। दोनों कथाकारों के काल में काफी अंतर है। लेकिन विषय का साम्य अधिक मात्रा में दिखाई देता है। प्रेमचंद ने अपने कथा साहित्य में किसान, गरीब, दलित वर्ग का चित्रण यर्थाथता से किया है। तो दूसरी ओर मराठी कथा Ã×हत्य में अण्णाभाऊ साठे ने इसी वर्ग को अपने कथा का विषय बनाया है। प्रेमचंद के उपन्यासों में दलित वर्ग का चित्रण किया गया है। दूसरी और अण्णाभाऊ साठे के मराठी उपन्यासों में दलित वर्ग उनके उपन्यासो का मुख्य विषय ¸Æ Æ। प्रेमचंद ने अपने आसपास के लोगों को वातावरण को यथार्थता से समाज के सामने लाने का प्रयास किया। ¤Ã¸ß †¸ अण्णाभाऊ साठे ने भोगा हुआ यथार्थ अपने कथा साहित्य के मा¬µ´ Ã समाज के सामने लाने का प्रयास किया है। दोनों कथाकारो के कथा साहित्य में दलित चेतना ³ß दिखाई देती Æ…

प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे के कथा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन यह शोध ×¾ÂµÖ †नुसंधान के लिए चुनने का महत्वपूर्ण उद्देश यह है कि, मैने प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे दोनों के उपन्यासों में विषय में समानता दिखाई दी। प्रेमचंद हिंदी उपन्यासकार है और अण्णाभाऊ साठे मराठी उपन्यासक¸ है दोनों कथाकारों ने जिस ढंग से सर्वहारा वर्ग आम लोगों के जीवन का चित्रण यर्थाथता से किया है। मै उनके उपन्यास पढने के बाद काफी प्रभावित हो गया। मु¬ने दोनों के उपन्यासों में अधिक मात्रा में समानता दिखाई देती है। इसलिए मैने अनुसं¬ान के माध्यम से हिंदी और मराठी दोनों कथाकारो को तुलनात्मक दृष्टिकोन से अनुसंधान का विषय बनाने का निर्णय लिया। इस विषय के चुनाव का सु–¾ मेरे गुरुवर्य मार्गदर्शक आदरणीय डॉ.इबतवार सरने दिया। मैने उनके साथ चर्चा करने के बाद इस विषय का अनुसंधान के लिए चुनाव किया।

प्रस्तुत शोध विषय के प्रारुप को निम्नलिखित अध्यायों में विभक्त किया गया है।

¯ÖÏ£Ö´Ö †¬µÖÖµÖ : प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

×«¦ŸÖßµÖ †¬µÖÖµÖ : तुलनात्मक अध्ययन : स्वरुप और महत्व

तृतीय अध्याय : प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन

“ÖŸÖã£Ö †¬µÖÖµÖ : प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे के उपन्यासों में यथार्थ चित्रण

¯ÖÓ“Ö´Ö †¬µÖÖµÖ : प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे के उपन्यासों में दलित चेतना

ÂÖÂ™´Ö †¬µÖÖµÖ : ˆ¯ÖÃÖÓÆÖ¸ü †Öî¸ü ˆ¯Ö»Ö²¬ÖßµÖÖÑ

प्रथम अध्याय में प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे के व्यक्तित्व और कृतित्व में उनका जन्म, बचपन, परिवार, शिक्षा, माता-पिता, वैवाहिक जीवन, नौकरी, पुरस्कार तथा कृतित्व में उनके समग्र कथा साहित्य का जैसे कहानी उपन्यास अन्य साहित्य का संक्षिप्त में अध्ययन किया जायेगा ।

द्वितीय अध्याय में तुलनात्मक अध्ययन की परिभाषा, समस्या, स्वरुप और महत्व इनका विस्तार से अध्ययन किया जायेगा ।

ŸÖéŸÖßµÖ †¬µÖÖµÖ ´Öë ¯ÖÏ´Öê“ÖÓ¤ü और अण्णाभाऊ साठे इनके पाँच पाँच उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाएगा। जिसमे समता विषमता की तुलना करते हुए दोनो के उपन्यासो का अध्ययन किया जाएगा।

“ÖŸÖã£Ö †¬µÖÖµÖ ´Öë ¯ÖÏ´Öê“ÖÓ¤ü †Öî¸ü अण्णाभाऊ साठे के उपन्यासों में दलित चेतना कì ÃÖ¤ü³Ö ´Öë उन्होने दलितों को अपने उपन्यासों का प्रमुख विषय क्यो बनया इसका वर्णन इस अध्याय में किया जायेगा और तुलनात्मक अध्ययन किया जायेगा…

¯ÖÓ“Ö´Ö अध्याय में प्रेमचंद और अण्णाभाऊ साठे के उपन्यासों ´Öë यर्थाथता का वर्णन तुलनात्मक दृष्टीकोन से किया जाएगा।

ÂÖÂ™´Ö †¬µÖÖµÖ ´Öë ˆ¯ÖÃÖÓÆÖ¸ü †Öî¸ü ˆ¯Ö»Ö²¬ÖßµÖÖÑ …

ÃÖ¤ü³ö ÝÖ£ÖÖ :

१] गोदान (उपन्यास) प्रेमचंद

2] सेवासदन (उपन्यास) प्रेमचंद

३] गबन (उपन्यास) प्रेमचंद

४] निर्मला (उपन्यास) प्रेमचंद

५] कर्मभूमि (उपन्यास) प्रेमचंद

६] फकीरा (उपन्यास) अण्णाभाऊ साठे

७] चित्रा (उपन्यास) अण्णाभाऊ साठे

८] वारणेचा वाघ (उपन्यास) अण्णाभाऊ साठे

९] रुपा (उपन्यास) अण्णाभाऊ साठे

१०] गुऱ्हाळ (उपन्यास) अण्णाभाऊ साठे

¿ÖÖ¬Ö”ÖÖ¡Ö

आनंद जळबाजी लोखंडे
एम.एम., बी.एड., नेट
मो.नं.९७६६४३२७४२

शोध निर्देशक

प्रा.डॉ.दशरथ तुकाराम ‡²ÖŸÖ¾ÖÖ¸ü
<´Ö.<., <´Ö.×±ú»Ö., ¯ÖÆü<“Ö.›üß.
सहयोगी अध्यापक
स्नातक-स्नातकोत्तर हिंदी विभाग, एवं शोधकेंद्र
-ाानोपासक शिक्षण मंडल संचलित
कला, वाणिज्य एवं वि-ाान महाविद्यालय,
परभणी जि.परभणी
मो.नं.९५१८७२०८26
‡´Ö»Ö : dashrathibatwar@gmail.com